सत्यमेव जयते

स्कूल शिक्षा विभाग–राजस्थान सरकार

(प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा)

स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्यूकेशन

बाल केन्द्रित शिक्षण

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा : 1 व 2 : हिन्दी

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक / शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

पढ़े चलो, बढ़े चलो

RASHTRIYA MADHYAMIK SHIKSHA ABHIYAN

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- कक्षा से सम्बन्धित पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठों के अधिगम उद्देश्य/कार्य की प्राथमिक स्तर के लिए विषयवार अलग से पुस्तिका दी गई है। विषय से सम्बन्धित योजना बनाते समय इस पुस्तिका का उपयोग किया जाएगा।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थियों के नाम, कक्षा के बच्चों के समूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित हैं। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों के नाम एवं रोल नं. डायरी में सम्बन्धित कक्षा की शुरुआत वाले पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार इस पत्रक पर नाम लिखना है।
- अधिगम स्तर के अनुसार समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज करना है। आधार रेखा आकलन कक्षा–2 से किया जाना है। यहाँ कक्षा को दो समूहों में देखा जा रहा है जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है।
- शिक्षण–आकलन योजना – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक कार्य, उपसमूहों में कार्य एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ ''सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य'' से तात्पर्य पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- ''समूह–1 क्षमता संर्वधन'' हेतु योजना से तात्पर्य है कि कक्षा के समकक्ष अध्ययनरत विद्यार्थियों की क्षमता संवर्धन के लिए योजना का निर्धारण करना।
- ''समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य'' से तात्पर्य नामांकित कक्षा से नीचे की कक्षाओं के स्तर पर लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति– इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को, कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए समय–समय पर आकलन सूचकों के सापेक्ष प्रत्येक टर्म में दो बार दर्ज करना है।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचकों में से बुनियादी अवधारणाओं के सापेक्ष आकलन के सूचकों को आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किया गया है ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे बुनियादी अवधारणाओं के अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा। तीन टर्म में काम करने के बाद चतुर्थ टर्म में बच्चों का सम्पूर्ण अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष वार्षिक समेकित आकलन दर्ज करना है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति के लिए दी गई चैकलिस्ट में प्रत्येक कक्षा के अधिकतम 30 बच्चों का आकलन दर्ज किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी में लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– अध्यापक योजना डायरी में लिखे गए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज किया जाएगा।)
- बुनियादी दक्षताओं से संबंधित चैकलिस्ट को चतुर्थ टर्म की चैकलिस्ट के बाद सम्मिलित किया गया है। जिसमें बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति को प्रत्येक टर्म में दर्ज करना है। इन बच्चों के कक्षा स्तर के अन्य अधिगम क्षेत्रों/कौशलों पर आधारित क्षमताओं के अन्तर्गत आए सूचकों जिन पर सम्पूर्ण कक्षा की योजना में कार्य किया गया है, के सापेक्ष अधिगम स्थिति को ही टर्म की चैकलिस्ट में दर्ज किया जाना है।
- सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है– A= स्वतंत्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।

कक्षा : 1

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा–1 : प्रथम टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
सुनी हुई सरल कविताओं को दोहरा पाना।	I																														
	II																														
दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																														
	II																														
चित्रों के साथ अपने अनुभवों को अपनी भाषा/बोली से जोड़कर बता पाना।	I																														
	II																														
प्रश्नों/निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
पुस्तकों को पढ़ने के प्रति उत्सुक हो पाना।	I																														
	II																														
संबंधित चित्र के साथ नाम का पठन कर पाना।	I																														
	II																														
शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सीखे गए वर्णों को पहचान कर पढ़ पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह)**	I																														
	II																														
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए, आ, ई)**	I																														
	II																														
लिखना																															
शब्द एवं वर्ण को अनुकरण से लिख पाना।	I																														
	II																														
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																														
	II																														
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
अभिनय करते हुए संवाद बोल पाना।	I																														
	II																														
चित्रों में उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–1 : द्वितीय टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																														
	II																														
दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना। (अपनी बोली में)	I																														
	II																														
विभिन्न प्रश्नों/निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																														
	II																														
चित्रों को क्रमबद्धता के साथ कहानी के रूप में स्वयं की भाषा में व्यक्त कर पाना एवं अपने अनुभव से जोड़ पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न परिवेशीय संदर्भों एवं स्वयं की रुचि से संबंधित बात चर्चा के दौरान पहल से रख पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
पुस्तक को पढ़ने के प्रति उत्साहित हो पाना।	I																														
	II																														
संबंधित चित्र के साथ नाम का पठन कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के अनुसार शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग–अलग पढ़ पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों की पहचान कर पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह, द, ग, ख, ड, झ, स, श, ओ)**	I																														
	II																														
सीखे गए वर्णों से बने बिना मात्रा के नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए, आ, ई, इ)**	I																														
	II																														
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
सीखे गए वर्णो/शब्दों को अनुकरण से लिख पाना।	I																														
	II																														
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																														
	II																														
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																														
	II																														
दो–तीन शब्दों के संयोजन से वाक्य बनाकर लिख पाना। जैसे – मामा/आया = मामा आया।	I																														
	II																														
उपयुक्त शब्दों का चयन करते हुए वाक्य बनाकर लिख पाना। जैसे – कॉपी में ..... हैं। (पढ़ते/लिखते)	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
निर्देशानुसार चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
चित्र के अनुसार उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
कविता आदि से संबंधित चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–1 : तृतीय टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																														
	II																														
बढ़ते क्रम में दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																														
	II																														
पूछे गए विभिन्न प्रश्नों/निदेशों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																														
	II																														
दृश्यात्मक चित्रों को क्रमबद्धता के साथ कहानी के रूप में बता पाना एवं अपने अनुभव से जोड़ पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न परिवेशीय संदर्भों एवं स्वयं की रुचि से संबंधित चर्चा में अपनी बात पहल से रख पाना एवं दूसरों की बात सुन पाना।	I																														
	II																														
संबंधित गीत कविता को लय एवं हावभाव के साथ व्यक्तिगत रूप से पहल के साथ सुना पाना।	I																														
	II																														
संदर्भ के अनुसार पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दे पाना (कब, कौन, कहाँ, कैसे, कितने...)	I																														
	II																														
चित्र, दृश्य, वस्तु आदि का वर्णन अपने शब्दों में बिना झिझक के कर पाना एवं सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में सुना पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
पुस्तकों को पढ़ने के प्रति उत्सुक होना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में संबंधित चित्र के साथ नाम को पढ़ पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के अनुसार शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग–अलग पढ़ पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों को पहचान कर पढ़ पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह, द, म, आ, ओ, ख, ड़, झ, ष, ऐ, औ, श, य, अ, प, छ,ए, स, ऊ, इ, फ, ढ, ढ़, घ, उ, ध, ई, त)**	I																														
	II																														
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए, आ, ई, इ, ऊ, औ)**	I																														
	II																														
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सरल वाक्यों की कहानी, कविता एवं चित्र – कथा को पढ़कर स्वयं समझ पाना।	I																														
	II																														
सरल प्रश्न एवं निर्देशों को पढ़कर समझ पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																														
	II																														
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																														
	II																														
चार–पाँच शब्दों के संयोजन से वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																														
	II																														
उपयुक्त वर्णों एवं मात्राओं का चयन कर स्वयं शब्द बनाकर लिख पाना।	I																														
	II																														
शब्दों की अन्तिम ध्वनि को सुनकर पहचान पाना एवं उनसे प्रारम्भ होने वाले शब्द लिख पाना। जैसे– लाली – लीपना – नापना...	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
अपनी मनपसंद के चित्र बनाकर रंग भर पाना।	I																														
	II																														
कविता, कहानी पर आधारित चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
चित्रों में आवश्यकतानुसार रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–1 : चतुर्थ टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
संबंधित गीत, कविता को लय एवं हावभाव के साथ पहल करते हुए व्यक्तिगत रूप से सुना पाना।	I																													
	II																														
दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																													
	II																														
संबंधित विषयवस्तु से जुड़े विभिन्न प्रश्नों/निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																													
	II																														
चित्रों को क्रमबद्धता के साथ अपने अनुभवों को जोड़ते हुए कहानी के रूप में बता पाना ।	I																													
	II																														
परिवेशीय संदर्भों एवं स्वयं की रुचि से संबंधित चर्चा के दौरान अपनी बात को पहल से रख पाना व दूसरों की बात को सुन पाना।	I																													
	II																														
संदर्भ के अनुसार पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दे पाना (कब, कौन, कहाँ, कैसे, कितने...)	I																													
	II																														
चित्र, दृश्य, वस्तु आदि का वर्णन बिना झिझक के एवं सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में सुना पाना।	I																													
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
पुस्तकों को पढ़ने के प्रति उत्साहित हो पाना।	I																													
	II																														
संबंधित चित्र के साथ नाम का पठन कर पाना।	I																													
	II																														
शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक–पृथक सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना।	I																													
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों को पढ़ पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह, द, म, आ, ओ, ख, ड़, झ, ष, ऐ, औ, श, य, अ, प, छ,ए, स, ऊ, इ, फ, ढ, ढ़, घ, उ, ध, ई, त, ज, ठ, व, भ, ड,ण)**	I																													
	II																														
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																													
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए, आ, ई, इ, ऊ, औ, ओ, उ, ए, ऐ, ं, ँ)**	I																													
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सरल वाक्यों की कहानी, कविता एवं चित्र – कथा पढ़कर समझ पाना।	I																														
	II																														
सरल प्रश्न एवं निर्देशों को पढ़कर समझ पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																														
	II																														
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																														
	II																														
चार–पाँच शब्दों के संयोजन से वाक्य बनाकर लिख पाना। जैसे– | दादा | लाओ | रेल | दादा रेल लाओ।	I																														
	II																														
चित्र या संबंधित विषयवस्तु पर चार –पाँच वाक्य स्वयं के स्तर पर लिख पाना।	I																														
	II																														
उपयुक्त वर्णों एवं मात्राओं का चयन कर स्वयं शब्द बनाकर लिख पाना।	I																														
	II																														
प्रश्नों के उत्तर स्वयं के स्तर पर एक वाक्य में लिख पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
अपनी मनपसंद के चित्र बनाकर रंग भर पाना।	I																														
	II																														
कविता, कहानी पर आधारित चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
चित्रों में सफाई के साथ उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा : 2

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा–2 : प्रथम टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : ....

....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : ....

....

....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : ....

....

....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
कविताओं को हावभाव एवं लय के साथ सामूहिक रूप से पहल के साथ सुना पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से जुड़े निर्देशों को सुनकर समझ पाना एवं उनकी अनुपालना कर पाना।	I																														
	II																														
चित्रों एवं विषयवस्तु से जुड़े प्रसंगों से सम्बन्धित चर्चा में अपनी बात को अपनी भाषा में स्पष्टता के साथ रख पाना।	I																														
	II																														
सुनी या पढ़ी हुई विषयवस्तु को अपनी भाषा में सुना पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
संबंधित कविताओं/कहानियों को आनन्द के साथ पढ़ पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में लघु–दीर्घ मात्रायुक्त शब्दों को उनके उच्चारण भेद के अनुसार पढ़ पाना।	I																														
	II																														
चित्रात्मक लिखित पहेलियों को पढ़कर समझते हुए हल कर पाना।	I																														
	II																														
संबंधित निर्देशों को पढ़कर समझते हुए कार्य कर पाना।	I																														
	II																														
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार, अनुनासिक शब्दों को सही ध्वनि उच्चारण के साथ पढ़ पाना।	I																														
	II																														
संयुक्त व्यंजनों को पहचान पाना एवं विभिन्न शब्दों में इनके प्रयोग को समझते हुए पढ़ पाना। **(श्र, त्र, ज्ञ, क्ष और ऋ)**	I																														
	II																														
पढ़ी हुई कहानी/कविता को समझकर उसके पात्रों आदि के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
लिखना																															
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा से बने शब्दों को स्पष्ट एवं साफ शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
अर्द्धाक्षरों के योग से नवीन शब्द बनाकर लिख पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में लिख पाना।	I																														
	II																														
समान ध्वनि वाले शब्दों के आधार पर वैसे ही पैटर्न के अन्य नवीन शब्द बना पाना। जैसे– लाते, पाते, खाते.....	I																														
	II																														
संदर्भ के अनुसार जानकारियों को सूचीबद्ध कर पाना।	I																														
	II																														
अपनी बात को लगभग 3–4 वाक्यों में लिख पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
चित्रों में अपनी कल्पना के आधार पर सफाई के साथ रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
निर्देशानुसार कागज आदि से वस्तुएँ बना पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय रंगोली/माँडणे आदि बना पाना।	I																														
	II																														
अँगूठे की छाप से चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–2 : द्वितीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....

.....

.....

.....

.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
विभिन्न प्रकार की कविताओं को हावभाव एवं लय के साथ सामूहिक रूप से करते हुए सुना पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से जुड़े निर्देशों को सुनकर समझ पाना तथा उनकी अनुपालना कर पाना।	I																														
	II																														
चित्रों एवं विषयवस्तु से जुड़े प्रसंगों से सम्बन्धित चर्चा में अपनी बात को अपनी बोली में स्पष्टता के साथ रख पाना।	I																														
	II																														
सुनी या पढ़ी हुई विषयवस्तु को अपनी भाषा में सुना पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
संबंधित कविताओं/कहानियों को आनन्द के साथ पढ़ पाना।	I																														
	II																														
लघु–दीर्घ मात्रायुक्त शब्दों को उनके उच्चारण भेद के अनुसार पढ़ पाना।	I																														
	II																														
चित्रात्मक लिखित पहेलियों को पढ़कर समझते हुए हल कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार के निर्देशों को पढ़कर समझते हुए कार्य कर पाना।	I																														
	II																														
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार, अनुनासिक शब्दों को सही ध्वनि के साथ पढ़ पाना।	I																														
	II																														
संयुक्त व्यंजनों को पहचान पाना एवं विभिन्न शब्दों में इनके प्रयोग को समझकर हुए पढ़ पाना। **(श्र, त्र, ज्ञ, क्ष और ऋ)**	I																														
	II																														
पढ़ी हुई कहानी/कविता को समझकर उसके पात्रों आदि के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
लिखना																															
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा से बने शब्दों को स्पष्ट एवं साफ शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
अर्द्धाक्षरों के योग से नवीन शब्द बनाकर लिख पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में दे पाना।	I																														
	II																														
समान ध्वनि वाले शब्दों के आधार पर वैसे ही पैटर्न के अन्य नवीन शब्द बना पाना।	I																														
	II																														
संदर्भ के अनुसार जानकारियों को सूचीबद्ध कर पाना।	I																														
	II																														
अपनी बात को लगभग 3–4 वाक्यों में लिख पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
विभिन्न प्रकार के चित्रों में अपनी कल्पना के आधार पर रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
अँगूठे की छाप से चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के आधार पर स्वयं चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–2 : तृतीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : ....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : ....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : ....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
विभिन्न कविताओं को हावभाव एवं लय के साथ सामूहिक रूप से करते हुए सुना पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित निर्देशों को सुनकर समझ पाना एवं उनकी अनुपालना कर पाना।	I																														
	II																														
चित्रों एवं विषयवस्तु से जुड़े प्रसंगों से सम्बन्धित चर्चा में अपनी समझ व जानकारी को अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी या पढ़ी हुई विषयवस्तु को अपने शब्दों में सुना पाना।	I																														
	II																														
सुनी–पढ़ी कविता/कहानी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्य में दे पाना।	I																														
	II																														
कल्पनात्मक सवालों के जवाब बिना किसी झिझक के अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी/पढ़ी पहेलियों को पूछ पाना एवं चुटकुले सुनाने की पहल उत्सुकता से कर पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
विभिन्न प्रकार की पाठ्यसामग्री से कविताओं, कहानियों एवं चुटकुलों को आनन्द के साथ पढ़ पाना।	I																														
	II																														
लघु–दीर्घ मात्रायुक्त शब्दों को उनके उच्चारण भेद के अनुसार पढ़ पाना।	I																														
	II																														
चित्रात्मक लिखित पहेलियों को पढ़कर समझते हुए हल कर पाना।	I																														
	II																														
संबंधित विभिन्न प्रकार के निर्देशों को पढ़कर समझते हुए कार्य कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार, अनुनासिक शब्दों को सही ध्वनि के साथ पढ़ पाना।	I																														
	II																														
संयुक्त व्यंजनों को पहचान पाना एवं शब्दों के साथ इनके प्रयोग को समझते हुए पढ़ पाना। **(श्र, त्र, ज्ञ, क्ष और ऋ)**	I																														
	II																														
पढ़ी हुई कहानी/कविता को समझकर उसके पात्रों आदि के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
शब्दों में होने वाले ध्वनि भेद के अंतर को समझते हुए पढ़ पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में विभिन्न प्रकार के शब्दों को वर्णमाला के क्रम में जमा पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा से बने शब्दों को स्पष्ट एवं साफ शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में दे पाना।	I																														
	II																														
समान ध्वनि वाले शब्दों के आधार पर वैसे ही पैटर्न के अन्य नवीन शब्द बना पाना।	I																														
	II																														
संदर्भ के अनुसार 4 से 6 वाक्यों में अपनी बात को लिख कर व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित शब्दावलियों को स्वयं के परिवेशीय शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
चित्र के आधार पर कहानी का सृजन कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
वर्णमाला का समझ के साथ अनुप्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न संदर्भों से संबंधित 3–4 पंक्तियों की कविता की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
अपनी कल्पना के आधार पर सफाई के साथ रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के आधार पर स्वयं चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
कहानी/कविता में आए पात्रों के अनुरूप मुखौटे बना पाना।	I																														
	II																														
कहानी आदि से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के पात्रों के अनुरूप अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–2 : चतुर्थ टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....

.....

.....

.....

.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
विभिन्न प्रकार की कविताओं को हावभाव एवं लय के साथ सामूहिक रूप से पहल के साथ सुना पाना।	I																													
	II																														
विषयवस्तु से जुड़े निर्देशों को सुनकर समझ पाना एवं उनकी अनुपालना कर पाना।	I																													
	II																														
चित्रों एवं विषयवस्तु से जुड़े प्रसंगों से सम्बन्धित चर्चा में अपनी समझ व जानकारी को अभिव्यक्त कर पाना।	I																													
	II																														
सुनी या पढ़ी हुई विषयवस्तु को अपने शब्दों में सुना पाना।	I																													
	II																														
सुनी–पढ़ी कविता/कहानी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्य में दे पाना।	I																													
	II																														
कल्पनात्मक सवालों के जवाब झिझक के बिना अभिव्यक्त कर पाना।	I																													
	II																														
सुनी/पढ़ी पहेलियों को पूछ पाना एवं चुटकुले सुनाने की पहल कर पाना।	I																													
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
विभिन्न प्रकार की पाठ्यसामग्री से कविताओं/कहानियों/चुटकुलों को आनन्द के साथ पढ़ पाना।	I																													
	II																														
लघु–दीर्घ मात्रायुक्त शब्दों को उनके उच्चारण भेद के अनुसार पढ़ पाना।	I																													
	II																														
चित्रात्मक लिखित पहेलियों को पढ़कर समझते हुए हल कर पाना।	I																													
	II																														
विभिन्न प्रकार के निर्देशों को पढ़कर समझते हुए कार्य कर पाना।	I																													
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार, अनुनासिक शब्दों को सही ध्वनि के साथ पढ़ पाना।	I																														
	II																														
संयुक्त व्यंजनों को पहचानते हुए पढ़ पाना एवं विभिन्न शब्दों के साथ इनके प्रयोग को समझते हुए पढ़ पाना। (श्र, त्र, ज्ञ, क्ष और ऋ)	I																														
	II																														
पढ़ी हुई कहानी/कविता को समझकर उसके पात्रों आदि के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
शब्दों में होने वाले ध्वनि भेद (उच्चारण) के अंतर को समझते हुए पढ़ पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार के संदर्भों को पढ़कर उनमें निहित शब्दों को वर्णमाला के क्रम में जमा पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा से बने शब्दों को स्पष्ट एवं साफ शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में लिख पाना।	I																														
	II																														
समान ध्वनि वाले शब्दों के आधार पर वैसे ही पैटर्न के अन्य नवीन शब्द बना पाना।	I																														
	II																														
लगभग 4 से 6 वाक्यों में अपनी बात को लिखकर व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार की विषयवस्तु से संबंधित शब्दावलियों को स्वयं के परिवेशीय शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
चित्र के आधार पर कहानी का सृजन कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
विभिन्न संदर्भों से संबंधित 3–4 पंक्तियों में कविता की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
अपनी कल्पना के आधार पर सफाई के साथ रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के आधार पर स्वयं चित्र बना पाना एवं रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
कहानी/कविता में आए पात्रों के अनुरूप मुखौटे बना पाना।	I																														
	II																														
कहानी आदि से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के पात्रों के अनुरूप अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार के पशु–पक्षियों एवं वस्तुओं आदि की आवाजें निकाल पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–2 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																													
* वर्णाकृतियों की पहचान करते हुए सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना।	I																													
	II																													
	III																													
	IV																													
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।	I																													
	II																													
	III																													
	IV																													
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।	I																													
	II																													
	III																													
	IV																													
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।	I																													
	II																													
	III																													
	IV																													
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।	I																													
	II																													
	III																													
	IV																													
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।	I																													
	II																													
	III																													
	IV																													
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।	I																													
	II																													
	III																													
	IV																													

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

शिक्षक के नोट्स

शिक्षक के नोट्स

शिक्षक के नोट्स

'स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्यूकेशन' (S.I.Q.E.) के विकास एवं क्रियान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

बोध शिक्षा समिति

यूनिसेफ, जयपुर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्